





सेल की स्वर्ण जयंती कहानी लेखन प्रतियोगिता में डॉ. कमलेश गोगिया को दूसरा स्थान

देशभर के प्रतिभागियों ने बड़ी संख्या में दिखाया लेखन कौशल

 Steel Authority of India Limited  15h  

Steel Authority of India Limited (SAIL) announced the result of "SAIL Swarna Jayanti Story Writing Competition – 2022" today, which SAIL had launched on 27th May, 2022, during the current "Golden Jubilee Year" of its inception (January 24, 1973). The competition was organized in both Hindi and English language on the theme: **दिखने पांच दशकों से सेल का राष्ट्र निर्माण में योगदान** | SAIL's contribution in Nation building in the last five decades'.

Winners in the Hindi category :
1st Prize winner : Mr. Dani Prasad Sharma of Bihilai, Chhattisgarh
2nd Prize winner : Dr. Kamlesh Gogia of Raipur, Chhattisgarh
3rd Prize winner : Mr. Ramesh Chand of Laxmi Nagar, New Delhi
Consolation prize winner : Ms. Animika Sahai of Ghaziabad, Uttar Pradesh

Winners in the English category :
1st Prize winner : Ms. Sumona Rathaur of Durgapur, West Bengal
2nd Prize winners : Ms. Anindita Mahapatra of Rourkela, Odisha
Ms. Munmun Mittra of Rourkela, Odisha
Mr. Abhilash Kumar Sharma of Bumpur, West Bengal
3rd Prize winners : Mr. Rajib Banerjee of Ranchi, Jharkhand
Mr. Piyush Karnal of Bumpur, West Bengal
Ms. Advika Sahai of Ghaziabad, Uttar Pradesh
Consolation prize winners : Mr. Laxmi Narayan Malik of Kolkata, West Bengal
Mr. Sampad Mishra of Rourkela, Odisha
Master Advay Sahai of Ghaziabad, Uttar Pradesh



मैट्स यूनिवर्सिटी रायपुर के कला एवं मानविकी अध्ययनशाला के हिन्दी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर एवं पत्रकार डॉ. कमलेश गोगिया ने स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की "स्वर्ण जयंती कहानी लेखन प्रतियोगिता- 2022" में पूरे छत्तीसगढ़ से राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी संवर्ग में दूसरा स्थान अर्जित किया है। इस प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा स्टील

अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के ट्वीटर एकाउंट, वेबसाइट व फेसबुक में की गई। भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय पीआईबी हिन्दी के अनुसार इस प्रतियोगिता का शुभारंभ 27 मई, 2022 को सेल के वर्तमान "स्वर्ण जयंती वर्ष" (24 जनवरी, 1973) के दौरान किया गया था। हिंदी और अंग्रेजी, दोनों, भाषाओं में आयोजित यह प्रतियोगिता "पिछले पांच दशकों में राष्ट्र निर्माण में सेल के योगदान" पर केन्द्रित थी। इस प्रतियोगिता में हिन्दी संवर्ग में हिन्दी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर एवं पत्रकार डॉ. कमलेश गोगिया ने पूरे छत्तीसगढ़ से राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी संवर्ग में द्वितीय पुरस्कार जीता। इस प्रतियोगिता का आयोजन देशभर के प्रतिभागियों को अपनी रचनात्मकता और लेखन कौशल दिखाने का अवसर प्रदान करने के लिए किया गया था। इस प्रतियोगिता में देश भर से बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया और अपनी कहानियों के माध्यम से पिछले पांच दशकों में राष्ट्र और समाज के निर्माण में सेल की भूमिका को दर्शाया। सभी विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए जायेंगे।

सेल की स्वर्ण जयंती कहानी लेखन प्रतियोगिता में डॉ. कमलेश गोगिया को दूसरा स्थान

देशभर के प्रतिभागियों ने बड़ी संख्या में दिखाया लेखन कौशल

सम्पद शिखर न्यूज़



दोनों, भाषाओं में आयोजित यह प्रतियोगिता "पिछले पांच दशकों में राष्ट्र निर्माण में सेल के योगदान" पर केन्द्रित थी। इस प्रतियोगिता में हिन्दी संवर्ग में हिन्दी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर एवं पत्रकार डॉ.

रायपुर। मैट्स यूनिवर्सिटी रायपुर के कला एवं मानविकी अध्ययनशाला के हिन्दी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर एवं पत्रकार डॉ. कमलेश गोगिया ने स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की "स्वर्ण जयंती कहानी लेखन प्रतियोगिता-2022" में पूरे छत्तीसगढ़ से राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी संवर्ग में दूसरा स्थान अर्जित किया है। इस प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के ट्वीटर एकाउंट, वेबसाइट व फेसबुक में की गई। भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय पीआईबी हिन्दी के अनुसार इस प्रतियोगिता का शुभारंभ 27 मई, 2022 को सेल के वर्तमान "स्वर्ण जयंती वर्ष" (24 जनवरी, 1973) के दौरान किया गया था। हिंदी और अंग्रेजी,

कमलेश गोगिया ने पूरे छत्तीसगढ़ से राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी संवर्ग में द्वितीय पुरस्कार जीता। इस प्रतियोगिता का आयोजन देशभर के प्रतिभागियों को अपनी रचनात्मकता और लेखन कौशल दिखाने का अवसर प्रदान करने के लिए किया गया था। इस प्रतियोगिता में देश भर से बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया। सभी विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए जायेंगे। मैट्स यूनिवर्सिटी के हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रेश्मा अंसारी ने बताया कि डॉ. कमलेश गोगिया को पत्रकारिता में उत्कृष्ट योगदान के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने वर्ष 2004 में चंदुलाल चंद्राकर पत्रकारिता फेलोशिप से सम्मानित किया था।

डॉ. कमलेश गोगिया को पत्रकारिता में उत्कृष्ट योगदान के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने वर्ष 2004 में चंदुलाल चंद्राकर पत्रकारिता फेलोशिप से सम्मानित किया था। डॉ. गोगिया के

राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विविध विषयों में अनेक शोध पत्रों का प्रकाशन होता रहा है और हिन्दी साहित्य की विविध विधाओं में भी उनका लेखन- कार्य जारी है। डॉ. कमलेश गोगिया की इस उपलब्धि पर मैट्स यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति श्री गजराज पगारिया, महानिदेशक श्री प्रियेश पगारिया, कुलपति प्रो. के.पी. यादव, उपकुलपति डॉ. दीपिका ढांड, कुलसचिव श्री गोकुलनंदा पंडा सहित विश्वविद्यालय परिवार तथा हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रेशमा अंसारी, सभी प्राध्यापकों डॉ. रमणी चंद्राकर, डॉ. सुनीता तिवारी, डॉ. सुपर्णा श्रीवास्तव, प्रियंका गोस्वामी, सुश्मिता मिश्रा तथा सभी विद्यार्थियों ने हर्ष व्यक्त किया है तथा सेल के रचनात्मक प्रयासों की सराहना की है।

सेल की स्वर्ण जयंती कहानी लेखन प्रतियोगिता में डॉ. कमलेश गोगिया को दूसरा स्थान देशभर के प्रतिभागियों ने बड़ी संख्या में दिखाया लेखन कौशल

श्रेणी जगत न्यूज नेटवर्क

रायपुर। मैट्स यूनिवर्सिटी रायपुर के कला एवं मीडिया विभाग के अध्यक्ष प्रो. के.पी. यादव के अध्यक्षता में आयोजित 'स्वर्ण जयंती कहानी लेखन प्रतियोगिता- 2022' में पूरे छत्तीसगढ़ से राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी संवर्ग में दूसरा स्थान अर्जित किया है। इस प्रतियोगिता के परिणामों को घोषणा स्टील अकादमी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के टर्बोटेर एकाउंटेंट, वेबसाइट व फेसबुक में की गई। भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय पीआईबी हिन्दी के अनुसार इस प्रतियोगिता का शुभारंभ 27 मई, 2022 को सेल के वर्तमान 'स्वर्ण जयंती वर्ष' (24 जनवरी, 1973) के दौरान किया गया था। हिन्दी और अंग्रेजी, दोनों भाषाओं में आयोजित यह प्रतियोगिता 'पिछले पांच दशकों में राष्ट्र निर्माण में सेल के योगदान' पर केन्द्रित थी। इस प्रतियोगिता में हिन्दी संवर्ग में हिन्दी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर एवं पत्रकार डॉ. कमलेश गोगिया ने पूरे छत्तीसगढ़ से राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी संवर्ग में द्वितीय पुरस्कार जीता। इस प्रतियोगिता का आयोजन देशभर के प्रतिभागियों को अपनी रचनात्मकता और लेखन कौशल दिखाने का अवसर प्रदान करने के लिए किया गया था। इस प्रतियोगिता में देश भर से खूबी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया और अपनी कहानियों के माध्यम से पिछले पांच दशकों में राष्ट्र और समाज के निर्माण में सेल की भूमिका को दर्शाया। सभी विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। मैट्स यूनिवर्सिटी के हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रेशमा अंसारी ने बताया कि डॉ. कमलेश गोगिया को पत्रकारिता में उत्कृष्ट योगदान के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने वर्ष 2004 में 'चंद्रलाल चंद्राकर पत्रकारिता फेलोशिप' से सम्मानित किया था। डॉ. गोगिया के राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विविध विषयों में अनेक शोध पत्रों का प्रकाशन होता रहा है और हिन्दी साहित्य की विविध विधाओं में भी उनका लेखन- कार्य जारी है। डॉ. कमलेश गोगिया की इस उपलब्धि पर मैट्स यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति गजराज पगारिया, महानिदेशक प्रियेश पगारिया, कुलपति प्रो. के.पी. यादव, उपकुलपति डॉ. दीपिका ढांड, कुलसचिव गोकुलनंदा पंडा सहित विश्वविद्यालय परिवार तथा हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रेशमा अंसारी, सभी प्राध्यापकों डॉ. रमणी चंद्राकर, डॉ. सुनीता तिवारी, डॉ. सुपर्णा श्रीवास्तव, प्रियंका गोस्वामी, सुश्मिता मिश्रा तथा सभी विद्यार्थियों ने हर्ष व्यक्त किया है तथा सेल के रचनात्मक प्रयासों की सराहना की है।